Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to establish Institute of Automotive Research Association of India in Adityapur in Jamshedpur Parliamentary Constituency, Jharkhand

श्री विद्युत वरन महतो (जमशेदपुर) ः प्राचीन काल से ही हमारा देश व्यापार एवं व्यवसाय को प्राथमिक स्तर की वरीयता देने वाला रहा है। मध्य-युगीन काल से ही, यदि हम भारतीय इतिहास को देखें तो वहां से भारत की स्थिति व्यापार एवं व्यवसाय में अव्वल रही है। वर्ल्ड बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार इसी सोमवार को व्यापार सुगमता सूचकांक पर एक रिपोर्ट के मुताबिक उद्योग-व्यवसाय की दृऎिट से झारखंड पूरे भारत में तीसरे स्थान पर है। हमारे राज्य झारखंड में उद्योग-व्यवसाय लगाना और चलाना हमारी रघुवर दास जी की सरकार ने दूसरे राज्यों की अपेक्षा औद्योगिक पॉलिसी को सरल एवं बहुत ही आसान बनाया है। झारखण्ड राज्य में निवेशकों को प्रोत्साहन देने हेतु फरवरी माह में हमारी सरकार ने झारखण्ड मोमेंटम प्रोग्राम ऑर्गेनाईज किया गया, जिसमें भारी संख्या में देश-विदेश के निवेशकों ने भाग लिया। आज माननीय रघुवर दास जी की अगुआई में झारखंड में बहुत से उद्योग स्थापित हो रहे हैं। इससे झारखंड में रोजगार के नये अवसर उपलब्ध हो रहे हैं और झारखंड विकास की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। हमारे राज्य में टाटा जैसे ऑटोमोबाईल उद्योग 109 वऐाऩ पहले मेरे संसदीय क्षेत्र जमशेदपुर (झारखंड) में स्थापित हुआ है और आज देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। इस तरह उद्योग के कारण हमारे संसदीय क्षेत्र में हजारों एन्सलरीज ऑटोमोबाईल उद्योग खुल चुके हैं, आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र झारखंड का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। जमशेदपुर ऑटोमोबाईल की दृऎिट से सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र होने के बावजूद आज पूरे भारत वऐाऩ में ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ए.आर.ए.आई.) जैसे संस्थान केवल एक ही जगह मात्र पुणे (महाराऐट्र) में है। पूरे देश में एक ही संस्थान होने के कारण कहीं न कहीं ऑटोमोबाईल्स उद्योग को आगे बढ़ने में बाधा उत्पन्न हो रही है।

अतः माननीय मंत्री, भारी उद्योग और लोक उद्यम से मांग करता हूं कि हमारे संसदीय क्षेत्र जो टाटा जैसे उद्योग बसने के कारण जमशेदपुर को टाटानगर से जाना जाता है। इसी के अंतर्गत आदित्यपुर से ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ए.आर.ए.आई.) का संस्थान खुलवाने की कृपा की जाए। जिससे पूर्वोत्तर राज्यों का तेज गति से विकास हो सके।